INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE

ISSN 2319 – 9202

An Internationally Indexed Peer Reviewed & Refereed Journal

WWW.CASIRJ.COM
www.isarasolutions.com

Published by iSaRa Solutions

जयपुर संभाग में चिकित्सा सेवाओं का वितरण

सुनिता कुमारी
शोध छात्रा,
सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी
झुन्झुनु (राजस्थान)

शोध–पत्र

1.1. परिचय :

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के संदर्भ में यदि राजस्थान राज्य के स्वास्थ्य विभाग, जयपुर के आंकड़ों की रिपोर्टो और लेखा–जोखा पर एक दृष्टि डालें, तो राज्य की चिकित्सा एवम् स्वास्थ्य सुविधाओं के वितरण का वर्तमान जिलेवार जनंसख्या के वितरण के संदर्भ में, कदापि सन्तोषजनक स्थिति नहीं है। क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जो चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का जनसंख्या अनुसार क्षेत्रीय मापदण्डों को अनेक सम्मेलनों के निष्कर्ष के आधार पर निर्धारित किये हैं, उन मापदण्डों के अनुसार इस राज्य में असमानता और उनका अभाव बहुत हद तक दृष्टिगोचर होता है। अर्थात चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का अनुपात जनसंख्या वितरण के अनुपात में सही नही ठहरता है। इसमें राज्य के अनेक जिलों में तथा संभागों में बहुत अन्तर पाया जाता है। उदाहरण के तौर पर गत 10 वर्षो में (1991 से 2000) जनसंख्या में लगभग 28 प्रतिशत वृद्धि हुई है, परन्तु कुल अस्पताल की संख्या में मात्र 0.45 प्रतिशत, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में मात्र 07 प्रतिशत, कुल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या में मात्र 13.30 प्रतिशत, डिस्पेन्सिरिज की संख्या में बढ़ने की बजाय 05 प्रतिशत घट गई हैं तथा कुद शैयाओं की संख्या में मात्र 11.30 प्रतिशत ही वृद्धि हुई है।

ऐसे ही गत दस वर्षो में चिकित्सकों की कुल संख्या में लगभग 08.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, परन्तु राज्य में जनसंख्या का प्रतिशत 1:3:5 अनुपात में बढ़ा है, इसलिए चिकित्सकों का प्रतिशत पुनः बढ़ी हुई जनसंख्या के सामने असन्तोषजनक ही लगता है। इस तरह से सरकारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधायें, जो भी बढ़ती है वे सभी जनसंख्या वृद्धि के विस्फोट के सामने फीकी या हल्की पड़ जाती है। यदि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के वितरण का राज्य के विभिन्न संभागों और जिलेवार वितरण के साथ उनमे, जो जनसंख्या में वृद्धि हुई उसके अनुपात और तुलनात्मक संदर्भ, में यदि प्रकाश डालें, तो स्थिति ओर भी रोचक परन्तु गंभीर प्रतीत होती है।

अन्तर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ के तहत अप्रैल 1984 में जाम्बिया विश्वविद्यालय में जाम्बियन स्वास्थ्य मंत्रालय के सौजन्य से लुसाका में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन का सहयोग एवं भागीदारी रही। इस सम्मेलन में विश्व के लगभग सभी देशों ने अपने–अपने देश से सम्बन्धित

शोध–पत्र प्रस्तुत किये जिसमें 'स्वास्थ्य, रोग एवं पर्यावरणीय अन्तर्सम्बन्धों' की समीक्षा की गई। इसमें कई देशों के मेडिकल डॉक्टर्स, चिकित्सा भूगोलवेत्ताओं तथा विद्वानों ने भाग लिया तथा अनेक महत्वपूर्ण शोध पत्रों पर विचार विमर्श हुआ। उनका संकलन करके उन सभी शोध पत्रों को 5 भागों में विभाजन करते हुये 1990 में रईश अख्तर एवं वोला वेरशाहेल्ट ने अपनी पुस्तक 'डिजीज इकोलोजी एण्ड हल्थ' में प्रकाशित किया। जिसे चिकित्सा भूगोल की एक महत्वपूर्ण पाठ्य सामग्री के रूप में माना जाता है। इस पुस्तक के भाग–प्रथम में जयश्री डी. एवं आर.जी. गोल्रकी ने 'भारतीय नगरोंमें जल जनित रोग' विषय पर एक महत्वपूर्ण शोध–पत्र प्रस्तुत किया इसमें इन्होंने भारतीय शहरों में मलेरिया रोग की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करते हुये यह बताया कि इस रोग के रोगियों की संख्या के वितरण और ऋतु अनुसार महिनों के वितरण में गहरा सम्बन्ध है। (जुलाई से अक्टुबर) वर्षा ऋतु में मलेरिया रोग से ग्रसित रोगियों की संख्या में एक स्तरीय वृद्धि हो जाती है। लियरमोन्थ ने 1958 में अपनी पुस्तक 'मेडिकल ज्योग्राफी इन इन्डो–पाकिस्तान' जल–जनित अनेक अनेक रोगों से ग्रसित रोगियों के 20 वर्षो के आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण किया। विश्व में मलेरिया रोग पर अनेक चिकित्सावेत्ताओं एवं विद्वानों ने चिकित्सा जगत् में इस रोग पर महत्वपूर्ण अध्ययन एवं शोध प्रस्तुत किये, उनमें से –जै.एल. डिन्सटेग और मेक कोलम रोबर्ट डब्ल्यू (1977), आई.सी.एम.आर. प्रोडिडिंग्स ओन वायरल हैपेटाईटिस (1980), के. पावरी और जे. रॉड़रिक्यूज (1982), जे.एल. डिन्सटेग (1983), जी.एन. व्यास और अन्य (1984), एम.एम.लीमोन (1985), आर. नोरमेन ग्रिस्ट और अन्य (1987), जूकरमेन (1988), जी.आई. इस्टीवान (1991), एफ.बी. होलिंगर और अन्य (1991) प्रमुख है और उन्होंने इस रोग का चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में विशेष अध्ययन प्रस्तुत किया। इन सभी विद्वानों के कार्य का संकलन कर के.पार्क ने (1995) अपनी पुस्तक 'प्रिवेन्टिव एण्ड सोसियल मेडिसीन' में सराहनीय वर्णन किया है।

1.2 जयपुर संभाग में चिकित्सा सेवाओं का वितरण :

राजस्थान राज्य यद्यपि जनसंख्या में भारत के अनेक राज्यों से कम है, परन्तु क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में प्रथम स्थान है। अतः स्वभाविक है कि राज्य मे स्वास्थ्य विभाग का बहुआयामी चिकित्सा सुविधाएं एक महत्वपूर्ण कारक हैं इसमें अनेक तथ्य एवं कारक इन सुविधाओं के वितरण में प्रभावी होते हैं। चिकित्सा सुविधाओं के बहुआयामी संदर्भ में अनेक सुविधाओं का होना आवश्यक है। जैसे कि अस्पताल, डिस्पेंसरी, मातृ एवं शिशु कल्याण केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, एडपोस्ट, उप स्वास्थ्य केन्द्र इत्यादि ये सभी चिकित्सा सुविधाओं के अन्तर्गत आती हैं और इनका वितरण अपने आप में एक आवश्यक कारक है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की किसी भी जिले या संभाग में उपलब्धि होना उस स्थान या संभाग में जनसंख्या के स्वास्थ्य स्तर को प्रभावित करती है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभिन्न प्रकार की होती हैं। अतः यह आवश्यक नहीं हैं कि सभी प्रकार की बहुआयामी स्वास्थ्य सुविधाएं उस स्थान या संभाग में प्राप्त होवें। यदि स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होती भी हैं तो उनमें जनसंख्या के अनुपात में वितरण बहुत ही असमान होता है। दूसरे अर्थो में एक प्रकार से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जिलेवार विरल या सघन वितरण है। यह मानचित्रों से स्पष्ट हो जाता है। अतः इस प्रकार से मानचित्र से किसी जिले की जनसंख्या और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की संख्या का कम या ज्यादा ज्ञात होता है और इससे किस जिले में कितने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं और खोलने चाहिए यह भी तथ्य सरकार के लिए जानकारी हेतु

आसान हो जाता है। इससे उस सम्बन्धित जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास किया जाना आसान हो जाता है।

जयपुर संभाग (Jaipur Division) राज्य के पूर्वोत्तरोतर भाग में $25^0$33 से $28^0$12′ उत्तरी अक्षांश एवं $74^0$44′ से $77^0$13′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। इसके अन्तर्गत पांच जिलों को सम्मिलित किया गया है। जो अलवर, दौसा, जयपुर, झुन्झुनूं एवं सीकर है। (चित्र : 1.1)

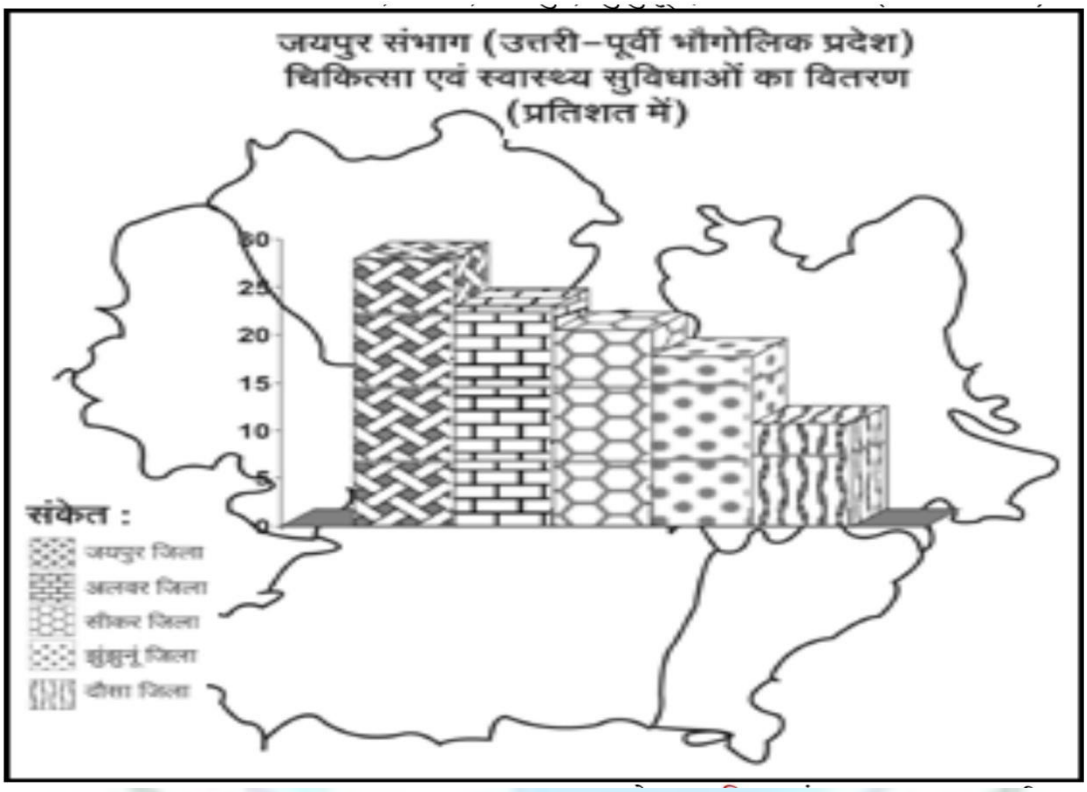

स्रोत : तालिका संख्या 1.1 पर आधारित

(चित्र : 1.1)

तालिका 1.1 : जयपुर संभाग में चिकित्सा सुविधाओं का वितरण

क्र.स.	जिला	अस्पताल	डिस्पेंसरी	मातृ–शिशु केन्द्र	पी.एच.सी.	एडपोस्ट	उपकेन्द्र	योग (प्रतिशत)
1.	जयपुर	27	52	17	97	02	495	690 (27.95)
2.	अलवर	09	10	04	85	-	460	568 (23.01)
3.	सीकर	10	07	09	74	-	407	507 (20.53)

4.	झुन्झुनूं	11	06	10	76	01	335	439 (17.78)
5.	दौसा	03	01	03	32	-	226	265 (10.73)
योग		**60**	**76**	**43**	**364**	**3**	**1923**	**2469 (100)**

अन्य संभागों की तरह जयपुर संभाग (Jaipur Division) में भी विविध प्रकार की राजकीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं है। जैसे कि अस्पताल, डिस्पेन्सरी, मातृ एवं शिशु कल्याण केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, एडपोस्ट और उप स्वास्थ्य केन्द्र है।

सवाई मानसिंह अपस्ताल, जयपुर

1.2.1 अस्पताल :

तालिका 1.1 से जयपुर संभाग (Jaipur Division) में 05 जिलों में कुल 60 अस्पताल है। इनके संभागीय जिलेवार वितरण में बहुत असमानता है। सबसे अधिक एवं प्रथम स्थान पर जयपुर जिला आता है, जिसमें कुल 27 अस्पताल हैं और राजस्थान राज्य का सबसे बड़ा तथा राजधानी होने के कारण एस.एम.एस. अस्पताल स्थित है जो एक प्रकार से सम्पूर्ण राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। जयपुर में अस्पताल जो सम्मिलित किये गये हैं वह ग्रामीण एवं नगरीय अस्पताल हैं। इस दृष्टिकोण से जयपुर संभाग (Jaipur

Division) के लगभग 40 प्रतिशत अस्पताल जयपुर जिले में वितरित हैं। इसके पश्चात् झुन्झुनूं, सीकर और अलवर जिले इस संभाग में अस्पताल की संख्या के आधार पर दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर आते हैं, परन्तु इन तीनों में बहुत ही कम अन्तर है। दूसरे शब्दों में यह कह सकते हैं कि झुन्झुनूं में 11 तथा सीकर में 10 और अलवर में 09 अस्पताल वितरित हैं। अस्पतालों के वितरण में शेष 05 में से तीन जिलों में जनसंख्या के हिसाब से बहुत ही कम संख्या में अस्पतालों का वितरण है। दौसा जिसमें 03 अस्पताल हैं। इस प्रकार से जयपुर संभाग (Jaipur Division) में निष्कर्ष के रूप में यह कह सकते हैं कि जयपुर जिला प्रथम स्थान पर और दौसा जिला अन्तिम स्थान पर आता है।

1.2.2 डिस्पेन्सरिया :

तालिका 1.1 से जयपुर संभाग (Jaipur Division) की विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं को जिलेवार आंकड़ों में प्रदर्शित किया गया है। एक प्रकार से यह तालिका सम्पूर्ण जयपुर संभाग (Jaipur Division) का प्रतिनिधित्व करती है। जहां तक डिस्पेन्सरियों के वितरण का सवाल है, इस संभाग के 05 जिलों में असमान वितरण पाया जाता है। जयपुर संभाग (Jaipur Division) में कुल 76 डिस्पेन्सरियां हैं और इनमें से अकेले जयपुर जिले में 60 प्रतिशत डिस्पेन्सरियां वितरित हैं। अन्य 04 जिलों में 10 या 10 से कम डिस्पेन्सरियां वितरित हैं। दूसरे स्थान पर अलवर जिला आता है। जिसमें 10 डिस्पेन्सरियां हैं। तीसरे तथा चौथे स्थान पर सीकर और झुन्झुनूं जिले आते हैं और इनमें 07 और 06 डिस्पेन्सरियां वितरित हैं। अन्तिम पाँचवें स्थान पर दौसा जिले में मात्र एक डिस्पेन्सरी है।

निष्कर्ष के रूप में जयपुर संभाग (Jaipur Division) में यह तथ्य सामने आता है कि जयपुर संभाग (Jaipur Division) में जयपुर जिला प्रथम स्थान पर और दौसा जिला अन्तिम स्थान पर आता है। यदि हम किसी भी जिले की जनसंख्या और डिस्पेन्सरी की संख्या के संदर्भ में देखें तो दौसा जिले में कम से कम दो डिस्पेन्सरी और होनी चाहिए।

1.2.3 मातृ एवं षिषु कल्याण केन्द्र :

तालिका 1.1 से जयपुर संभाग (Jaipur Division) में मातृ एवं शिशु कल्याण केन्द्र कुल 43 हैं, इसमें सर्वाधिक जयपुर जिले में वितरित हैं, जिनकी संख्या 17 है और दूसरे स्थान पर झुन्झुनूं जिला है, जिसमें 10 केन्द्र हैं। शेष बचे 03 जिलों में मातृ एवं शिशु कल्याण केन्द्रों की संख्या 10 से कम है। तालिका के आंकड़ों को देखते है तो इस प्रकार के संख्यात्मक वितरण मिलता है। जैसे–सीकर में 09 तथा अलवर में 04, दौसा जिले में 03 है। निष्कर्ष के रूप में यह कह सकते हैं कि जयपुर संभाग (Jaipur Division) में जयपुर जिला प्रथम व दौसा अन्तिम स्थान पर आता है।

1.2.4 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र :

तालिका 1.1 से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का संख्यात्मक वितरण बहुत ही महत्वपूर्ण तथ्य है, क्योंकि बड़े अस्पताल तो बड़े नगरों में पाये जाते हैं, परन्तु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का वितरण गांवों या ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित होता है। इससे ग्रामीण जनसंख्या का स्वास्थ्य एंव विकास का सीधा सम्बन्ध है। जयपुर संभाग (Jaipur Division) में कुल 364 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है। इनका वितरण भी असमान है।

जयपुर संभाग (Jaipur Division) में जयपुर जिले में 97 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पाये जाते है। अलवर जिला दूसरे स्थान पर आता है और इसमें कुल 85 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं, तीसरे स्थान पर झुन्झुनूं और चौथे स्थान पर सीकर जिला आता है। जिनमें 76 और 74 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वितरित हैं। पाँचवे स्थान पर दौसा जिला है, जिसमें सबसे कम 32 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वितरित है। दौसा की जनसंख्या और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की संख्या के अनुपात का यदि हम तुलनात्मक अध्ययन करें तो यह पायेंगे कि दौसा में 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और होने चाहिए, अर्थात सरकार को 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाने के लिए खोलने चाहिये।

जनाना अस्पताल, जयपुर

1.2.5 एडपोस्ट :

तालिका 1.1 से जहां तक एडपोस्ट के वितरण का सवाल है, जयपुर संभाग (Jaipur Division) में 05 जिलों में से मात्र दो जिलों में ही एडपोस्ट सुविधा उपलब्ध है, जिसमें जयपुर में 02 और झुन्झुनूं जिले में 01 वितरित है। एडपोस्ट की सुविधा अलवर, दौसा और सीकर जिलों में नहीं है। इसलिए राज्य सरकार को चाहिए कि पीछे बचे 03 जिलों में कम से कम एक–एक एडपोस्ट केन्द्र अवश्य खोलना चाहिए।

1.2.6 उप स्वास्थ्य केन्द्र :

तालिका 1.1 से से उप स्वास्थ्य केन्द्रों के वितरण का जहां तक सवाल है, तालिका में इनके तुलनात्मक आंकड़ों का वितरण जिलेवार देखा जा सकता है। जयपुर संभाग (Jaipur Division) में उप स्वास्थ्य केन्द्रों का वितरण भी अस्पतालों तथा डिस्पेन्सरियों के वितरण का अनुसरण करता है। इसमें भी जयपुर जिला प्रथम स्थान पर है, जिसमें 495 उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं। अलवर जिले में 460 उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं और यह दूसरे स्थान पर आता है। सीकर जिला 407 उप स्वास्थ्य केन्द्रो के कारण तीसरे स्थान पर आता है। झुन्झुनूं और दौसा जिले चौथे एवं पाँचवें स्थान पर आते हैं तथा इनमें 335 और 226 उप स्वास्थ्य

केन्द्र पाये जाते हैं। दौसा जिला पाँचवें अन्तिम स्थान पर आता है। अतः निष्कर्ष रूप से यह कह सकते हैं कि जयपुर संभाग (Jaipur Division) में जयपुर जिला प्रथम व दौसा जिला अन्तिम स्थान पर तुलनात्मक दृष्टिकोण से आते हैं।

बहुआयामी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं में जयपुर जिला संभागीय योगदान में 27.95 प्रतिशत योगदान करता है। अलवर जिला अपना योगदान 23.01 प्रतिशत करता है और दूसरे स्थान पर आता है। 20.53 प्रतिशत विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं में सीकर जिला अपना योगदान तीसरे स्थान पर करता है। झुन्झुनूं चौथे स्थान पर आते हैं तथा अपना योगदान संभागीय स्तर पर 17.78 प्रतिशत योगदान करते हैं। दौसा जिला अपना योगदान 10.73 प्रतिशत करते हुए पाँचवें स्थान पर आता है। निष्कर्ष के रूप में यह कह सकते हैं कि विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के वितरण में जयपुर संभाग (Jaipur Division) में जयपुर जिला प्रथम स्थान पर आता है और दौसा जिला अपना योगदान अन्तिम स्थान पर है। इस प्रकार से यह पाते हैं कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के अनुपात के अनुसार जिलेवार योगदान वितरण की दृष्टि से इनका अनुपात सही नहीं उतरता है। अतः सरकार को चाहिए कि जनसंख्या के अनुपात में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के प्रतिशत का अनुपात सही होना चाहिए। अतः यह कह सकते हैं कि जनसंख्या के स्वास्थ्य स्तर को सुधारने के लिए स्वास्थ्य विभाग को कुछ और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधायें प्रदान करनी चाहिए, अन्यथा असन्तुलन बना रहेगा और इसमें मलेरिया ही नहीं अपितु अन्य बीमारियों के रोगियों की संख्या बढ़ेगी और उनमें उपचार हेतु सरकार द्वारा वितरित स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की संख्या कम साबित होगी।

संदर्भ ग्रन्थ–सूची

- एल्डरशन, एम.आर. और डोर्वे, आर. (1979) हेल्थ सर्वेज एण्ड रिलेटेड स्टॅडीज. यू.के. पेरगारोन प्रेस.
- क्राउन, इ.एच.आई. (1949) इकोलोजी ऑफ हयूमन हेल्थ. द कोमनवेल्थ फन्ड, न्यूयार्क.
- खान, एम.एम. (1989) पब्लिक हेल्थ साईन्स. नेशनल फार्मेसी, आजमगढ़.
- मे, जे.एम. (1950) मेडिकल ज्योग्राफी–इट्स मेथड्स एण्ड ओब्जेक्टिव. अमेरिकन ज्योग्राफिकल रिव्यू. न्यूयार्क.
- मे,जे.एम. (1968) द ज्योग्राफी एण्ड डिजीज. साईन्टिफीक अमेरिकन, केलिफार्निया.
- मिश्रा, आर.पी. (1970) मेडिकल ज्योग्राफी इन इण्डिया. नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली.
- मेरो, पी.एस. (1990) पोपुलेशन डिस्ट्रीब्यूशन एन्ड हेल्थ फसेलिटिज. अख्तर एण्ड वेरहासेल्ट पब्लीकेसन्स (ऐडीटेड).
- पार्क, जे.ई. और पार्क. के. (1972) टैक्सट. बुक ऑफ प्रिवेन्टीव एण्ड सोशियल मेड़ीसीन. मेसर्स बनारसी दास भानोत., जबलपुर.
- पार्क. के. (2002) सामुदायिक स्वास्थ्य विज्ञान. मेसर्स बनारसीदेवी भानोत. जबलपुर.
- राघव, आर. (1986) जिओजेनिक आस्पेक्ट्रस ऑफ वाटर बोर्न डिजीजेज इन द मरूस्थली रिजन ऑफ राजस्थान. पीएच.डी. थिसीस, यू.ओ.आर., जयपुर (अनपब्लीश्ड)
- सिंघई जी.सी. (1998) चिकित्सा भूगोल. वसुन्धरा पब्लीकेसन्स., गोरखपुर
- विटलेजी.,जे. (1986) द स्पासियल पेटरनिंग एण्ड सप्लाई ऑफ हेल्थ सर्विसेज इन इण्डिया. एम. पासीओने मेडिकल ज्योग्राफी : प्रोगेस एण्ड प्रोस्पेक्ट्स ग्रुम हेल्थ., यू.एस.ए.।

ISARA INSTITUTE OF MANAGEMENT & PROFESSIONAL STUDIES

WWW.IIMPS.IN

EARN YOUR

MBA

Accreditation & Ranking

UGC / NCTE Approved.

INFO@IIMPS.IN

011-41005174

RESEARCH GATEWAY

STOP PLAGIARISM

1 Submit your content in Word File.

2 Get report in 48 hrs.

3 *Missing content or references will be fixed.

4 Citation for your work.

5 Get accurate user friendly report.

researchgateway.in | info@researchgateway.in

+91-9205579779

AROGYAM ONLINE

Arogyam Ayurveda

Holistic Healing through herbs

100% NATURAL

PARIVARTAN PSYCHOLOGY CENTER

COLOR PSYCHOLOGY : HOW COLOR AFFECT YOUR CHILD

BLUE — Calms your Child's Mind & Body

YELLOW — Promotes Concentration, Stimulates the Memory

PINK — Evokes Empathy, makes your Child Calm

RED — Excites and energizes your Child's body

GREEN — Improves Reading speed and Comprehension

www.parivartan4u.com

Confuse about your children's future?

भारतीय भाषा, शिक्षा, साहित्य एवं शोध

ISSN 2321 – 9726

WWW.BHARTIYASHODH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SCIENCE & TECHNOLOGY

ISSN – 2250 – 1959 (0) 2348 – 9367 (P)

WWW.IRJMST.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE

ISSN 2319 – 9202

WWW.CASIRJ.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (0) 2348 - 9359 (P)

WWW.IRJMSH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF SCIENCE ENGINEERING AND TECHNOLOGY

ISSN 2454-3195 (online)

WWW.RJSET.COM

INTEGRATED RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT, SCIENCE AND INNOVATION

ISSN 2582-5445

WWW.IRJMSI.COM

JOURNAL OF LEGAL STUDIES,POLITICS AND ECONOMICS RESEARCH

WWW.JLPER.COM